भारत सरकार

पोत परिवहन मंत्रालय

राज्यर सभा

अतारांकित प्रश्ना सं. **131** जिसका उत्तरर

सोमवार, 30 नवंबर, 2015/9 अग्रहायण, 1937 (शक) को दिया जाना है

पश्चिरमीतट नहर के कोल्लचम-कोट्टापुरम की प्रगति

131. श्री के . के. रागेश :

क्याि **पोत परिवहन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पोत परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि केरल के चम्पा कारा और उद्योगमंडल कैनल (205 किमी) सहित पश्चिमी तट नहर के कोल्लपम-कोट्टापुरम जलमार्गजिसे राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया है, में हुई प्रगति का ब्यौ रा क्या?है

उत्त र

पोत परिवहन राज्ये मंत्री

(श्री पोन्. राधाकृष्णिन्)

1 फरवरी , 1993 को चम्पाणकारा नहर (14 किमी) और उद्योगमंडल नहर (23 किमी) सहित पश्चिमी तट नहर के कोट्टापुरम-कोल्लोम (168 किमी) [कुल 205 किमी] को राष्ट्रीषय जलमार्ग-3 (एनडब्यूर-3) के रूप में घोषित किया गया है। एनडब्यू93-3 की प्रगति का ब्यौरा निम्नाउनुसार दिया गया है :

(i) <u>नौचालन चैनल :</u>

नौचालन चैनल को न्यूएनतम 38 तल की चौड़ाई वाले व्यापिक खंडो में तथा संकीर्ण खंडो में 32 तल की चौड़ाई के साथ 2 मी. गहरी तथ 3.25 किमी के एक छोटे हिस्सी जिसकी 12 मी. चौड़ाई है , को छोड़कर संपूर्ण एनडब्यूथ-3 का विकास और रख-रखाव किया गया है। चौड़ीकरण के लिए 87 किमी में से लगभग 83.75 किमी के तहत 38.00 लाख घनमीटर के ड्रेजिंग करके प्राप्ती की गई है। शेष 3.25 किमी में से , कायमकुलम क्षेत्र में 1 किमी है जहां चौड़ीकरण किया जा सकता है। यदि राज्यी सरकार द्वारा मछली पकड़ने के जाल को हटा दिया जाए और 2.25 किमी चावरा क्षेत्र में है जिसके लिए दिनांक 18.11.2015 को चौड़ीकरण का कार्य सौंपा गया। यद्यपि, सभी राष्ट्रीय जलमार्गों में कार्गो जलयानों के आवागमन के लिए कोई सीमा नहीं है।

(ii) <u>24 घंटे नौचालन के लिए सहायता :</u>

केरल में संपूर्ण एनडब्यूघंटे-3 को नौचालन की सहायता के साथ 24 घंटे नौचालन करने की सुविधा उपलब्धे कराई गई है।

(iii) <u>कार्गो संभलाई टर्मिनल :</u>

अंतर्देशीय जलयानों , भंडारण गोदामों, कार्गो संभलाई उपकरणों आदि के लिए सुरक्षित बर्थिंग व्यनवस्थाी के साथ 8 स्था,नों पर कार्गो टर्मिनल स्थाकपित किए गए है, जो इस प्रकार है: (i) कोट्टापुरम, (ii) अलुवा, (iii) मराडु (कोची), (iv) वाईक्कॉ म्र (v) चेरतल्लाज (तानीरमुखोम्) (vi) तरीककुनापुज़ा, (vii) कायामकुलम (अईरातेगु) और (viii) कोल्ल म / अल्ला्पुज़ा में 9वें टर्मिनल का निर्माण प्रगति पर है और 99% प्रगति का लक्ष्यक प्राप्त् कर लिया गया है। मांग की निर्भरता पर , अगले चरण में टर्मिनल की स्थामपना के लिए दो और स्थामनों पर अर्थात काकंड (सीएसईजेड) और चावरा पर भूमि का अधिग्रहण किया गया है। इसके अतिरिक्त , कोची शहर से भीड़ को कम करने के लिए विलिंगडन द्वीप और बोलघाटी पर आर-ओ आर-ओ टर्मिनल की एक जोड़ी अंतर्देशीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट टर्मिनल (आईसीटीटी) तक एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान किया गया है। दिनांक 23.02.2011 से आरओ - आरओ का प्रचालन आरंभ किया गया है।

(iv) एनडब्यू-3 के विकास के लिए आईडब्यू एआई द्वारा अब तक 240 करोड़ रुपए के ऑडर का कुल व्येय किया गया है।

*****